चौथी तिमाही में 7.4% रहेगी विकास दर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : गत वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च) में विभिन्न आर्थिक सूचकांक को देखते हुए एसबीआइ ने इस अवधि में विकास दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इस बढ़ोतरी से वित्त वर्ष 23-24 की विकास दर आठ प्रतिशत के स्तर को छू सकती है। सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 में विकास दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआइ ने इस साल जनवरी-मार्च की विकास दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आगामी 31 मई को सरकार की तरफ से गत वित्त वर्ष के जीडीपी का आंकड़ा जारी किया जाएगा। गत वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में विकास दर 8.4 प्रतिशत तो दूसरी व पहली तिमाही में 8.1 व 8.2 प्रतिशत दर्ज की गई है।

मंगलवार को जारी एसबीआइ रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जनवरी से यात्री वाहन बिक्री, हवाई यात्रियों की संख्या, जीएसटी संग्रह, क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन, पेट्रोलियम खपत, टोल संग्रह जैसी विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी हो रही है। डीजल खपत के साथ दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। एसबीआइ का मानना है कि इस साल जनवरी-मार्च के दौरान वैश्विक स्तर पर भी महंगाई में कमी आई है। आइएमएफ ने वर्ष 2024 और वर्ष 2025 में वैश्विक विकास दर 3.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो पिछले साल से अधिक है। इन सबके अलावा इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में 2400 सूचीबद्ध कंपनियों का कर पश्चात औसतन मुनाफा 12 प्रतिशत रहा।

- एसबीआइ के मुताबिक, आठ प्रतिशत के स्तर को छू सकती है वित्त वर्ष 2023-24 की आर्थिक विकास दर
- डीजल खपत के साथ दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत होती स्थिति को दर्शा रही

बेहतर मानसून से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

एसबीआइ के अनुमान के मुताबिक इस साल मानसून सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है, जिससे दाल, तिलहन और अनाज की सप्लाई बढ़ने से इनकी कीमतें कम होंगी। बेहतर मानसून से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। आरबीआइ ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीडीपी विकास दर 7.5 प्रतिशत तो पूरे वित्त वर्ष में सात प्रतिशत की विकास दर का अनुमान लगाया है।